Notes

ज्ञान प्राप्त करने से विभिन्न प्रकार कों के रोजगार प्राप्त कर सकते है।

4- उच्च जीवन स्तर के लिए :- विभिन्न प्रकार के ~~व्यावहारिक~~ व्यावहारिक एवं कौशलात्मक ज्ञान के माध्यम से छात्रों का जीवन उच्च स्तर तक होता है।

जैसे- एक व्यक्ति यदि कोई रोजगार करना शुरू कर दिया उनसे सम्बन्धित जो कौशल प्राप्त होता है। वह ~~उन~~ उसे द्वारा अपना जीवन यापन कर सकता है।

5- शारीरिक विकास के लिए :- शारीरिक विकास के यह आवश्यक हैं कि छात्र के विभिन्न प्रकार के लिए कौशलों का विकास किया जाय विद्यालय में विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जाय। और उससे सम्बन्धित शारीरिक क्रियाओं का आयोजन किया जाय। ज्ञान के माध्यम से शिक्षक यह जान जाता हैं। कि प्राथमिक स्तर पर शारीरिक विकास के किन- किन खेलों को विद्यालय व्यवस्था में स्थान मिलना चाहिए।

6- सांस्कृतिक विकास के लिए :- सांस्कृतिक विकास का उद्देश्य छात्रों के द्वारा ज्ञान के माध्यम से ही होता हैं। जिसमे छात्र परिभाषात्मक ज्ञान का सहारा लेता है। विद्यालय में होने वाले विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम मे ~~सहभागीता~~ सहभागिता होती है। कुछ छात्र प्रत्यक्ष रूप से भाग लेते है। तथा कुछ छात्रों के द्वारा इन कार्यक्रम को भी देखा जाता हैं।

Notes

7 आध्यात्मिक विकाश का उद्देश्य :- ज्ञान की प्रमुख आवश्यकता आध्यात्मिक विकाश को के उद्देश्यो को पूर्ण करने से होती हैं। शिक्षा एवं ज्ञान के द्वारा बालक में आध्यात्मिक गुणो का विकाश होता है। बालक अपने भावी जीवन को नैतिकता एवं मानवता के आधार पर आध्यात्मिक विकाश को प्राप्त करने का प्रयास करता है।

8. छात्रो के संतुलित विकास के लिए :- छात्रो को सन्तुलित विकाश के लिए यह आवश्यक होती है। उनको तीन प्रकार से ज्ञान प्राप्त करने से परिचय कराया जाता हैं। ज्ञान प्राप्त करने की इस प्रकिया में शारीरिक एवं मानसिक विकाश सम्भव होता है। शारीरिक तथा मानसिक विकाश ही छात्रो के संतुलित विकाश का मार्ग प्रशस्त करता है।

9- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया की प्रभावशीलता के लिए- शिक्षण अधिगम प्रक्रिया के विकाश के लिए छात्रो में अधिगम कौशल का विकाश होना चाहिए। तथा शिक्षक को समस्त शिक्षण कौशल का ज्ञान होना चाहिए इस कार्य के शिक्षण कौशल के रूप में शिक्षको प्रस्तावना कौशल, व्याख्यान कौशल श्यामपट्ट लेखन कौशल आदि। ज्ञान प्रमुख रूप से प्रदान किया जाता है,

10 समायोजन क्षमता के शिक्षण के लिए — समायोजन क्षमता के विकाश के ज्ञान वरदान के रूप में सिद्ध होता है क्योंकि ज्ञान के आधार पर बालक के विभिन्न व्यवहारो

Notes

ज्ञान की आवश्यकता एवं महत्व :- ज्ञान की शिक्षा में प्रमुख रूप से व्यावहारिक होती है। ज्ञान के अभाव बालकों का विकास अवरुद्ध अवरुद्ध हो जाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि शिक्षक द्वारा सम्पूर्ण ज्ञान से ज्ञान की अवधारणा को समझकर छात्रों को शैक्षिक विकास के उद्देश्य को प्राप्त करके अपनी भूमिका का निर्वाहन करना चाहिए

1- चरित्र के विकास के लिए :- चरित्र के विकास के मनुष्य को यह आवश्यक है कि छात्रों के विभिन्न प्रकार के तथ्यात्मक एवं परिज्ञानात्मक ज्ञान से परिचय कराया जाय। छात्रों को विभिन्न प्रकार के नैतिक शिक्षा सम्बन्धी पुस्तकों का अध्ययन कराया जाय

2. व्यावसायिक विकास के लिए :- व्यवसायिक विकास के लिए यह आवश्यक है कि शिक्षक द्वारा छात्रों को कौशलात्मक ज्ञान प्रदान किया जाय

जैसे- छात्र को अपने जीवन यापन के लिए विभिन्न प्रकार के व्यवसायों का चयन करना पड़ता है। इस व्यवसाय के आधार पर छात्रों में व्यवसाय से सम्बन्धित कौशलों का विकास करना आवश्यक है।

3. रोजगार के लिए :- विद्यालय में छात्रों के अध्ययन का उद्देश्य ज्ञान प्राप्ति के साथ-साथ अपने रोजगारों के लिए तैयार करना पड़ता है। रोजगार के लिए कौशलात्मक ज्ञान का महत्वपूर्ण स्थान होता है। विभिन्न प्रकार के